दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-२५ वा | बुधवार २४ सितम्बर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

बाढ़ पीड़ितों के लिए सभी यंत्रणाएं युद्ध स्तर पर तैयार-मुख्यमंत्री का दावा

किसानों के लिए २ हजार २१५ करोड़ मंजूर, केंद्र से मदद के लिए प्रस्ताव भेजेंगे

जमीर काझी

मुंबई, :- अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति के कारण राज्य में किसानों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है और राज्य सरकार ने तत्काल मदद के लिए यंत्रणाओं को युद्ध स्तर पर कार्यरत किया है। सरकार किसानों के साथ खड़ी है और जहां घरों, खेती और पशुओं का नुकसान हुआ है, वहां आवश्यक जगहों पर नियमों में ढील देकर मदद की जाएगी, ऐसी जानकारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को दी।

केंद्र सरकार से अतिरिक्त मदद के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। लेकिन तब तक राज्य की ओर से तत्काल कार्रवाई की जाएगी, ऐसा भी उन्होंने घोषित किया।

राज्य में विशेष रूप से मराठवाड़ा में पिछले तीन दिनों से अतिवृष्टि हो रही है और पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है तथा किसानों को भारी झटका लगा है। इस पृष्ठभूमि पर आज मंत्रिमंडळ बैठक में नुकसान का आढावा लिया गया। उसके बाद पत्रकारों से बातचीत में फडणवीस ने कहा, 'अब तक ३१ लाख ६४ हजार किसानों को २२१५ करोड़ रुपये की आर्थिक मदद मंजूर की गई है। इनमें से १८२९ करोड़ रुपये जिला स्तर पर वितरित किए गए हैं और आने वाले १० दिनों में किसानों के बैंक खातों में जमा हो जाएंगे। इसके लिए स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पंचनामे पूरे होते ही तत्काल मदद पहुंचाई जा रही है। जिन तालुकों के पंचनामे पूरे होते हैं, वहां तुरंत आर्थिक सहायता वितरित की जाती है। एकत्रित शासन आदेश की प्रतीक्षा किए बिना, पंचनामे आते ही जीआर जारी किए जा रहे हैं। मदद कार्य कहीं भी रुका नहीं है। मौत, पशुओं का नुकसान, घरों का नुकसान जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के लिए जिलाधिकारियों को तत्काल मदद वितरित करने के अधिकार दिए गए हैं। स्थानीय स्तर पर भी नुकसानग्रस्तों को तुरंत राहत देने के लिए प्रशासन को पूर्ण छूट दी गई है और फंड की कमी नहीं होगी, इसकी सावधानी बरती गई है। ओला सूखा घोषित करने और केंद्र से अतिरिक्त मदद के बारे में विपक्ष द्वारा की गई मांग पर फडणवीस ने कहा,

केंद्र सरकार से अतिरिक्त मांग के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा, सुरेश धस द्वारा की गई मांग पर सकारात्मक विचार कर रहे हैं। लेकिन तब तक तत्काल मदद पहुंचाने में राज्य सरकार कहीं भी कमी नहीं करेगी।

धाराशिव, अहमदनगर, जलगांव, सोलापुर, बीड, परभणी आदि जिलों में पिछले कुछ दिनों में अतिवृष्टि के कारण खेती और घरों को बड़ा नुकसान हुआ। इन क्षेत्रों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की १७ टीमें बचाव कार्य में लगी हुई हैं। कई लोगों को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया है। विस्थापित नागरिकों के लिए पीने का पानी, अन्नधान्य और आवास की व्यवस्था सरकार ने की है। बाढ़ से जमीनें उजड़ने की शिकायतों पर सरकार सकारात्मक रूप से मदद करेगी। ऐसी गारंटी उन्होंने दी। कुछ क्षेत्रों में अभी भी पानी नहीं उतरा है इसलिए विस्थापित नागरिक घर नहीं लौट पा रहे हैं। उनके लिए सभी व्यवस्थाएं सरकार उपलब्ध करा रही है। सभी पालकमंत्रियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम विभाग ने २७-२८ सितंबर के दौरान फिर से अतिवृष्टि की चेतावनी दी है। इसके लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है और नागरिकों तथा किसानों को आवश्यक सावधानी बरतनी चाहिए, ऐसा आह्वान सरकार ने किया है। बाढ़ पीड़ितों को राहत देने के लिए राज्य सरकार के प्रयास निरंतर जारी हैं और किसानों के साथ मजबूती से खड़े रहने का आश्वासन भी मुख्यमंत्री ने दिया।मुख्यमंत्री अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेंगेमुख्यमंत्री फडणवीस कल अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति का आढावा लेने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेंगे। वहां मदद कार्य में बाधा न आए, ऐसी तरीके से इसका नियोजन किया जाएगा, ऐसा उन्होंने बताया।

सांसद बजरंग सोनवणे बाढ़ पीड़ितों से मिले; मदद उपलब्ध कराने के प्रयास करने का वादा

किसानों के आंसू पोंछे, केज, अंबाजोगाई तालुका में की मुलाकातें

बीड: बीड जिले में पिछले चार दिनों से जोरदार बारिश जारी है। मंगलवार को सुबह जिले के ५७ राजस्व मंडलों में अतिवृष्टि हुई है और सांसद बजरंग सोनवणे आठ दिन पहले हुई अतिवृष्टि का निरीक्षण करके दिल्ली गए थे। उसके बाद फिर से अतिवृष्टि होने से वे तुरंत मंगलवार सुबह बीड के लिए रवाना हुए। उसके बाद दोपहर में उन्होंने धानोरा, देवळा (ता. अंबाजोगाई) और इस्थळ (ता. केज) में अतिवृष्टि से हुए नुकसान का निरीक्षण किया।

बीड जिले में १४ सितंबर से अतिवृष्टि हो रही है। पहली बार अतिवृष्टि होने पर तुरंत सांसद बजरंग सोनवणे ने खेतों पर जाकर फसलों का निरीक्षण किया था। उसके बाद कुछ दिनों तक बारिश रुकी हुई थी। इसी बीच, सांसद बजरंग सोनवणे जिले के विकास कार्यों के

लिए दिल्ली गए थे। उसके बाद बीड जिले में बारिश शुरू हो गई। लगातार तीन दिनों से बीड जिले में अतिवृष्टि हुई है। इससे नदियों में बाढ़ आ गई है। इस बाढ़ में खेती और फसलें बह गई हैं। कई किसानों का पशुधन भी बह गया है और करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। पिछले कुछ दिनों से खेतों में पानी होने से फसलें पीली पड़ रही हैं। साथ ही बाढ़ से खेती उजड़ गई है और अब किसानों के सामने फिर से खेती कैसे करें, यह सवाल है। मंगलवार को सांसद बजरंग सोनवणे दिल्ली से किसानों को हिम्मत देने के लिए लौटे। उसके बाद उन्होंने केज और अंबाजोगाई तालुका के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नुकसानग्रस्त किसानों और ग्रामीणों से बातचीत की। कोई भी समस्या हो तो संपर्क करें, आपको सरकारी स्तर पर मदद उपलब्ध कराने के लिए हम प्रयास करेंगे, जरूरत पड़ी तो सरकार से लड़ेंगे लेकिन मदद उपलब्ध कराएंगे, ऐसा वादा भी उन्होंने इस मौके पर दिया।

सांसद बजरंग सोनवणे आज पाटोदा, शिरूर और बीड तालुका से बहने वाली बड़ी नदियों से हुए नुकसान का निरीक्षण करने वाले हैं। पाटोदा, शिरूर शहर में पानी घुसने से वहां व्यापारियों का भी बड़ा नुकसान हुआ था। वहां भी वे मुलाकात करने वाले हैं। वहीं बीड तालुका में सिंदफणा से जहां नुकसान हुआ है, ऐसे स्थानों पर किसानों से बातचीत करेंगे।

बीड जिले में बाढ़ से हुए नुकसान पर राज्यसभा सांसद रजनी पाटिल ने मुख्यमंत्री से की मदद की मांग

बीड, दि. २३ सितम्बर संवाददाता

राज्यसभा सांसद रजनी पाटिल ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर बीड जिले के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों को आपदा घोषित कर किसानों को तत्काल सहायता देने की मांग की है।

सांसद पाटिल ने पत्र में कहा है कि बीड जिले में हाल ही में हुई अतिवृष्टि और लगातार बारिश के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जिले के कई गांवों में खेतों में खड़ी फसलें जलमग्न होकर नष्ट हो गई हैं। अनेक मकान पानी में डूब गए हैं, वहीं ग्रामीणों के घर, जनावरे और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि जिले में शेतकऱ्यांच्या (किसानों) हेक्टरी ५० हजार रुपये से अधिक की मदद आवश्यक है। साथ ही जिले के कई गांवों में खेतों में पानी भर जाने से मक्का, सोयाबीन, कपास, गन्ना और अन्य फसलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं। पशुपालन पर भी गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

पाटिल ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि बीड जिले को तुरंत आपदा घोषित किया जाए और प्रभावित किसानों व ग्रामीणों को हेक्टरी ५० हजार रुपये से अधिक की आर्थिक मदद दी जाए। साथ ही मकान ढह जाने वाले परिवारों, जनावरे बह जाने वाले किसानों और बाढ़ से प्रभावित सभी नागरिकों को विशेष राहत पैकेज दिया जाए।

उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सरकार ने कदम नहीं उठाए तो जिले में आर्थिक और सामाजिक संकट और गहराएगा।

सांसद रजनी पाटिल ने पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि बीड जिले को आपदा क्षेत्र घोषित कर किसानों और बाढ़ प्रभावित नागरिकों को तात्कालिक व ठोस मदद दी जाए।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर किसानों को दिलासा-डॉ.योगेश क्षीरसागर

बीड (प्रतिनिधि), दिनांक २३: बीड विधानसभा क्षेत्र के हिंगणी खुर्द, चौसाला, वाढवणा पुल, बोरखेड, शिंदेवस्ती पुल (बोरखेड) आदि गांवों में बाढ़ प्रभावित इलाकों का मंगलवार (दि. २३) को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगेश क्षीरसागर ने निरीक्षण किया। इसी दौरान डॉ. सारिका क्षीरसागर ने भी बीड व शिरूर कासार तहसील के कई गांवों का दौरा कर किसानों से बातचीत की। दंपति ने सीधे बांधों पर जाकर किसानों का हौसला बढ़ाया।

लगातार बारिश से जिले में बड़े पैमाने पर फसलों का नुकसान हुआ है और खेती करना मुश्किल हो गया है। इस नुकसान की जानकारी डॉ. क्षीरसागर ने उपमुख्यमंत्री एवं जिले के संपर्क मंत्री अजितदादा पवार को सौंपी है। आज (दि. २४) अजितदादा पवार के दौरे की संभावना है और वे स्वयं स्थिति का जायजा लेंगे। प्रभावित किसानों को तात्कालिक मदद घोषित करने पर वे निर्णय लेंगे, ऐसी जानकारी डॉ. योगेश क्षीरसागर ने किसानों से बातचीत करते हुए दी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार हालात की समीक्षा कर रही है ताकि किसानों को तुरंत राहत मिल सके। अगस्त महीने के नुकसान के लिए ५६ करोड़ रुपये का अनुदान जिले को प्राप्त हुआ है, जबकि सितंबर के पंचनामे पूर्ण होते ही सहायता दी जाएगी।

डॉ. सारिका क्षीरसागर का बीड और शिरूर कासार तहसीलों के गांवों का दौरा

डॉ. सारिका क्षीरसागर ने बीड तहसील के राजुरी, बहादरपुर, साक्षाळपिंपरी तथा शिरूर कासार तहसील के कमलेश्वर, धानोरा आदि गांवों में जाकर क्षतिग्रस्त खेती और सड़कों का निरीक्षण किया। इस दौरान आज (दि. २४) वे गात शिरापूर, हाजीपुर, गाजीपुर, आर्वी, फुलसांगवी और मार्कडवाड़ी गांवों का दौरा करने वाली हैं।

'कल्पतरू' का डांडिया कार्यक्रम स्थगित

जिले में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त होने के कारण बीड शहर में 'कल्पतरू' द्वारा आयोजित 'नवजलसा डांडिया' कार्यक्रम को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। यह कार्यक्रम २५ सितंबर को होना था। इसकी नई तारीख शीघ्र घोषित की जाएगी, ऐसी जानकारी सचिव डॉ. सारिका क्षीरसागर ने दी। इसी प्रकार योगेश क्षीरसागर ने चांदनी चौक बीड का भी अपने साथीयों के साथ दौरा करके हालात का जायजा लिया।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए विधायक विजयसिंह पंडित सहित शिवछत्र परिवार आगे आया

सिंदफणा और गोदा किनारे के नागरिक सतर्क रहें–विधायक विजयसिंह पंडित का आह्वान

काझी अमान/गेवराई

गेवराई विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के कई गांवों में मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई गांवों का संपर्क टूट गया है और सिंदफणा नदी के किनारे कई जगहों पर कई लोग फंसे हुए हैं। इस गंभीर स्थिति में विधायक विजयसिंह पंडित, पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित सहित पूरा शिवछत्र परिवार बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया है। मौजे नांदुर हवेली में रात को साढ़े बारह बजे बाढ़ में फंसे १६ नागरिकों को विधायक विजयसिंह पंडित के प्रयासों से बचाया गया। रात देर तक एनडीआरएफ की टीम और प्रशासन इसके लिए प्रयास कर रहे थे। विधायक पंडित ने उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार से सीधे संपर्क करके बाढ़ की स्थिति की गंभीरता बताई और मदद कार्य की जानकारी दी। अजितदादा पवार के निर्देश पर बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए एनडीआरएफ सहित सेना की टीम बीड में पहुंच गई है। विधायक पंडित ने सिंदफणा और गोदावरी नदी किनारे के नागरिकों को सतर्क रहने का आह्वान किया है।

गेवराई विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में गोदावरी और सिंदफणा नदी ने उग्र रूप धारण कर लिया है, जिससे बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित और विधायक विजयसिंह पंडित सहित पूरा शिवछत्र परिवार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में डटे हुए हैं। विधायक विजयसिंह पंडित ने पिंपळगाव कानडा, आहेरचिंचोली, खामगाव और नांदूर हवेली जैसे सिंदफणा नदी के पानी से घिरे

इलाकों में बाढ़ में फंसे कई लोगों को प्रशासन की मदद से बचाने के लिए भरसक प्रयास किए। इस दौरान जिलाधिकारी विवेक जॉन्सन, उपविभागीय अधिकारी कविता जाधव, तहसीलदार चंद्रकांत शेळके, तहसीलदार संदीप खोमने सहित प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। विधायक पंडित ने बीड जिले के पालकमंत्री अजितदादा पवार को स्थिति की गंभीरता बताने के बाद उन्होंने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए, उसके बाद एनडीआरएफ के २६ जवानों की टीम सोमवार रात देर से कार्यरत हो गई। कीचड़, मिट्टी और पानी से उन्होंने बाढ़ में फंसे नांदुर हवेली के १६ नागरिकों को सुरक्षित बचाया। रात देर तक विधायक विजयसिंह पंडित घटनास्थल पर डटे रहे। बचाए गए नागरिकों ने विधायक पंडित का भावुक होकर आभार व्यक्त किया।

मौजे कुर्ला की भिल्ल बस्ती पर फंसे करीब पचास से अधिक निवासियों को सेना के जवानों ने बचाया। पिंपळगाव कानडा की शेतवस्ती पर रहने वाले लोगों को बचाने के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था करनी पड़ सकती थी, लेकिन माजलगाव के कहार समाज के भाइयों ने भरसक प्रयास करके उनकी रक्षा की। नांदुर हवेली के सरवदे परिवार के करीब ७ सदस्यों को पानी से बाहर निकालने का काम एनडीआरएफ के जवानों ने किया। मौजे सिरसमार्ग के खेत में फंसे दो वृद्ध नागरिकों को एनडीआरएफ के जवानों ने सुरक्षित बचाया। इनमें से अधिकांश जगहों पर विधायक विजयसिंह पंडित मौजूद थे। उन्होंने इस दौरान ग्रामीणों, बाढ़ पीड़ितों और प्रशासन के बीच समन्वय करके तत्परता से मुश्किल में फंसे लोगों को मदद का हाथ दिया। पिछले दो दिनों से विधायक विजयसिंह पंडित लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में घूमकर आम लोगों को सहारा और हिम्मत देने का काम कर रहे हैं।

इतिहास में पहली बार सिंदफणा नदी में इतनी बड़ी बाढ़ आई है, ऐसा पुराने लोग बता रहे हैं। अभूतपूर्व बाढ़ स्थिति में पूरा शिवछत्र परिवार लोगों की मदद के लिए दौड़ रहा है। गोदावरी और सिंदफणा नदी का जल स्तर बढ़ रहा है और रात में बारिश तेज होने पर नदी किनारे के नागरिक सतर्क रहें, ऐसा आह्वान विधायक विजयसिंह पंडित ने किया है।

गेवराई में बारिश से तबाही, किसानों की हालत पर पंकजाताई मुंडे को दी जानकारी

सरकार से तुरंत मदद की मांग-बालराजे पवार

काज़ी अमान / गेवराई

गेवराई विधानसभा क्षेत्र में हुई मूसलधार बारिश से खेतों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। कई जगहों पर खेत खरडकर बह गए, कुएं धंस गए और घरों में पानी घुसने से नागरिकों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस भीषण आपदा की भरपाई संभव नहीं है। इसलिए सरकार को तुरंत राहत सहायता घोषित करनी चाहिए, ऐसी मांग युवा नेता बालराजे पवार ने की है।

बालराजे पवार ने मंगलवार, २३ सितंबर को सिंदफणा नदी किनारे के गांवों का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने राज्य की पर्यावरण मंत्री पंकजाताई मुंडे से वीडियो कॉल पर संवाद कर गेवराई क्षेत्र में हुए नुकसानों की विस्तृत जानकारी दी। मंत्री मुंडे ने इस विषय पर चर्चा करते हुए पवार को निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत पंचनामा (रिपोर्ट) तैयार कर भेजा जाए। यह संवाद युवा नेता बालासाहेब सानप के मोबाइल से हुआ।

रविवार और सोमवार को हुई मूसलधार बारिश ने गेवराई तालुका के पश्चिम, उत्तर और दक्षिण हिस्से के गांवों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। कई रास्ते पानी में डूब गए। खेतों में खड़ी कपास और अन्य फसलें पूरी तरह नष्ट हो गईं। गोदावरी और सिंदफणा नदी किनारे बसे गांवों को सबसे ज्यादा फटका लगा है। खेत बहकर नष्ट हो गए, कुएं धंसकर बंद हो गए और किसानों पर आर्थिक संकट गहराता जा रहा है।

मंगलवार को बालराजे पवार ने सिरसमार्ग, धारवंटा, उक्कडपिंप्री, साक्षाळपिंप्री आदि गांवों का दौरा कर किसानों और नागरिकों से बातचीत की। वहां की स्थिति देखकर बालासाहेब सानप ने सीधे पंकजाताई मुंडे से वीडियो कॉल पर संपर्क किया। इस बातचीत में बालराजे पवार ने मंत्री को पूरे हालात से अवगत कराया। मंत्री मुंडे ने कहा कि सिंदफणा और गोदावरी किनारे के गांवों के नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए।

बारिश से हुई तबाही के कारण कई किसानों के घरों में पानी घुस गया है, जिससे उनका जीवन खुली सड़क पर आ गया है। बालराजे पवार ने सरकार से तत्काल आर्थिक मदद घोषित करने की जोरदार मांग की।

इस अवसर पर अनिल पौळ, बालासाहेब सानप, पवन गावडे, रमेश तळेकर, सचिन वावरे, विष्णुपंत आतकरे, श्रीराम घाटुळ, पत्रकार जुनेद बागवान, सुभाष सुतार सहित बड़ी संख्या में ग्रामस्थ उपस्थित थे।

बीड तहसील के नंदूर हवेली में बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र का आपदा प्रबंधन विभाग मंत्री गिरीश महाजन ने किया निरीक्षण

बीड, दिनांक २३ (संवाददाता): बीड जिले में मूसलाधार बारिश के बाद सिंदफणा नदी में बाढ़ आ गई है। नदी का पानी कई इलाकों में घुस गया है तथा बीड तहसील के नंदूर हवेली गांव में भी नदी का पानी भर जाने के कारण कई नागरिक पानी में फंस गए। इस पृष्ठभूमि में जलसंपदा (विदर्भ, तापी व कोकण खोरे विकास महामंडळ) तथा आपदा प्रबंधन विभाग मंत्री गिरीश महाजन ने आज नंदूर हवेली में बाढ़ प्रभावित जगह का दौरा किया। इस अवसर पर श्री महाजन ने नागरिकों से बातचीत की और उन्हें तात्कालिक सहायता प्रदान करने का भरोसा दिलाया। पंचनामा तैयार करने का काम शुरू हो गया है। इसके अलावा, सरकार द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में परेशान नागरिकों और किसानों को तुरंत मदद पहुँचाने की बात उन्होंने कही।

इस दौरान जिलाधिकारी विवेक जॉन्सन, उपविभागीय अधिकारी कविता जाधव, तहसीलदार चंद्रकांत शेळके, मंडळ अधिकारी, तलाठी , समाज सेवक शाहेद पटेल एवं नंदूर हवेली गांव के ग्रामीण उपस्थित थे।

शिव, शाहू, फुले और अंबेडकर के धर्मनिरपेक्ष विचारों से हमारी मजबूत प्रतिबद्धता है: सुनील तटकरे

मुंबई: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राज्य अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा है कि पार्टी की संगठनात्मक क्षमता और जनहित के कार्यों के आधार पर संगठन को और विस्तार दिया जाएगा और शिव, शाहू, फुले तथा डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के धर्मनिरपेक्ष विचारों से हमारी मजबूत प्रतिबद्धता है। वे कोल्हापुर के गोकुल दूध संघ के पूर्व अध्यक्ष अरुण डोंगले के पार्टी में शामिल होने के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। अरुण डोंगले ने अपने असंख्य साथियों के साथ मुंबई के 'महिला विकास मंडल' हॉल में एनसीपी में शामिल होने का फैसला किया।

इस अवसर पर सुनील तटकरे ने कहा कि राज्य में जब भी कोई आपदा आती है तो अजीत पवार सबसे पहले जनता की मदद के लिए पहुंचते हैं। आज भी कैबिनेट बैठक के बाद वे सोलापुर और अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के निरीक्षण के लिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि कोल्हापुर में पार्टी की ताकत को पहले नंबर पर लाने का काम हसन मुश्रीफ के नेतृत्व में बेहतरीन तरीके से चल रहा है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने कहा कि जहां गठबंधन है वहां एनसीपी मिलजुलकर चुनाव लड़ेगी, और जहां संभव न हो वहां किसी पर आलोचना किए बिना अपनी ताकत पर चुनाव लड़ा जाएगा, लेकिन महा युति का झंडा हमेशा ऊंचा रखा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कोल्हापुर नगर निगम पर एनसीपी का झंडा जरूर लहराएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि जो लोग आज पार्टी में शामिल हो रहे हैं उनके पीछे पार्टी मजबूती से खड़ी है।

बीड़ में बादल फटने से गुलशन नगर में बाढ़ का पानी घुसा, कई घरों को भारी नुकसान-इलियास इनामदार

बीड़ प्रतिनिधि

बीड़ शहर में पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार मूसलधार बारिश के चलते मंगलवार रात को हुई भीषण बरसात और बादल फटने की घटना से गुलशन नगर (बालपीर नदी किनारा) इलाके में बाढ़ का पानी घुस गया। अचानक आई इस बाढ़ से नागरिकों में भय का वातावरण फैल गया।

नदी का पानी एरिया में घुसने से कई घरों में पानी भर गया और भारी नुकसान हुआ। तीन से चार एमएसईबी के डी.पी. और कई बिजली के खंभे बाढ़ में बह गए। इलाके में दो दिनों से अंधेरा छाया हुआ है।

स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि इस गंभीर आपदा के बावजूद कोई भी अधिकारी, नेता या एमएसईबी इंजीनियर मौके पर नहीं पहुंचे। केवल नगर परिषद के गटनेता फारुक पटेल तथा नगरसेवक शेख सादेख और सलीम खान ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर लोगों की समस्याएं जानीं।

गुलशन नगर के रहिवासियों ने जिला प्रशासन से तत्काल नई डी.पी. और बिजली के खंभे लगाने तथा इलाके में सफाई और स्वच्छता अभियान शुरू करने की मांग की है।

यह निवेदन एडवोकेट प्रो. इलियास इनामदार, अध्यक्ष लोकसेना संगठन, बीड़ द्वारा प्रेस नोट के माध्यम से किया गया है।

रसूल की मोहब्बत से सराबोर रावेर : वहदते इस्लामी के तत्वावधान में भव्य आम सभा

जलगाव़ (अकील ख़ान ब्यावली)

रबीउल अव्वल की नूरानी घड़ियाँ और रावेर का ऐतिहासिक डी.एम. हॉल, जहां जुलूस की तरह उमड़े रसूल ﷺ के आशिकों की आवाज़ें गूंज उठीं। शनिवार की शाम नमाज़-ए-मगरिब के बाद से रात साढ़े नौ बजे तक वहदते इस्लामी हिन्द के तत्वावधान में आयोजित आम सभा ने आध्यात्मिक वातावरण को प्रेम और आस्था से भर दिया।मुख्य अतिथि बिस्मिल्लाह शेख (रुक्न, केंद्रीय मजलिस-ए-शूरा, वहदते इस्लामी हिन्द) ने अपने ईमान अफ़रोज़ संबोधन में कहा:

मानवता की मुक्ति का एकमात्र उपाय हज़रत मुहम्मद मुस्तफ़ा ﷺ की आज्ञापालन और अनुकरण में है। आपने जो धर्म संसार को प्रदान किया वह संपूर्ण मानवता के लिए मार्गदर्शन, शांति और सुकून का एकमात्र संदेश है। इसके बिना कोई भी प्रणाली, मज़हब या विचारधारा मनुष्य को वास्तविक राहत नहीं दे सकती।विशेष संबोधन में डॉ. तनवीर अहमद (औरंगाबाद) ने कहा:रसूल-ए-अकरम ﷺ की महान सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि आपने अपने पश्चात जिन पाकीज़ा व्यक्तित्वों (सहाबा-ए-किराम रज़ि.) को छोड़ा, वे संसार के श्रेष्ठतम लोग कहलाए। उन्होंने भाईचारे, हमदर्दी, विनम्रता और नम्रता के जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किए और मानवता को अंधकार से निकालकर न्याय और इंसाफ़ की रौशनी में पहुंचाया।सभा की शुरुआत मौलाना हाफ़िज़ फ़ुरकान की मधुर तिलावत-ए-कुरआन से हुई।

भाई अब्दुल वाहिद मोमिन ने इस्लामिक शायर माहिर अल-क़ादरी का दिल को छू लेने वाला सलाम सुरमयी और तरन्नुम भरे अंदाज़ में पेश कर सभा को गरमा दिया।इसी प्रकार हाफ़िज़ मुबश्शिर की नातिया नज़्म ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया और हॉल तालियों व सुब्हानअल्लाह की सदाओं से गूंज उठा।अंत में मौलाना हाफ़िज़ फ़ुरकान की रक़्तामय दुआ से इस ईमान अफ़रोज़ महफ़िल का समापन हुआ।

इस भव्य आध्यात्मिक आयोजन में पुरुषों और महिलाओं ने भारी संख्या में भाग लेकर रसूल ﷺ से अपनी गहरी मोहब्बत का प्रमाण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की सफलता में स्थानीय साथियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया.

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com